न्यूज सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-198

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, बुधवार, 23 अक्टूबर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

ज़िंदगी वही है जो हम अभी जी रहे हैं, कल जो जिएंगे उसे उम्मीद कहते हैं।

बिहार के मुजफ्फरपुर में पेय पदार्थ के सेवन से एक की मौत

दो लोगों के आंखों की रोशनी गई

मुजफ्फरपुरः बिहार के मुजफ्फरपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की मौत हो गई जबकि दो लोगों के आंख की रोशनी चली गई। घटना डीह जीवर गांव की है। जानकारी के अनुसार, पेय पदार्थ सेवन के बाद तीनों लोगों की तयीबत बिगड़ गई। आशंका जताई जा रही है कि तीनों ने जहरीली शराब पी थी लेकिन पुलिस प्रशासन की तरफ से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सोमवार को थी पार्टी

जानकारी के अनुसार, डीह जीवर गांव में संदिग्ध स्थिति में युवक श्याम किशोर सहनी की मंगलवार शाम मौत हो गई। जबकि दो लोगो की आंख की रोशनी चली गई। घटना के पीछे जहरीली शराब पीने की आशंका है। ग्रामीण जहरीली शराब पीने से मौत की बात कह रहे हैं।

बताया जा रहा है कि सोमवार को सभी ने एक साथ मुर्गा पार्टी में संदिग्ध पेय पदार्थ का सेवन किया था। देर रात सभी की हालत बिगड़ने लगी। उसे आंख से कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। परिजन विभिन्न नर्सिंग होम में भर्ती करायाष श्याम सहनी की हालत गंभीर होने पर एसकेएमसीएच में रेफर कर दिया गया। परिजन मंगलवार की देर शाम उसे लेकर एसकेएमसीएच में भर्ती कराया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।हथौड़ी थानाध्यक्ष मोहम्मद आलम ने बताया कि एसकेएमसीएच में इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हुई है। शराब की बात सामने नहीं आई है।

पेट्रोल टैंकर से 200 पेटी शराब जब्त

उधर, बिहार में शराबबंदी के बाद भी तस्कर तरह-तरह के हटकंडे अपना रहे हैं। कभी एम्बुलेंस, कभी ट्रक में छुपाकर शराब की खेप ला रहे हैं। अब तस्कर पेट्रोल टैंकर के अंदर तहखाना बनाकर शराब लाने की जानकारी सामने आई है। मुजफ्फरपुर-हाजीपुर मार्ग पर सकरी सरैया से उत्पाद विभाग की टीम ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के तेल टैंकर से विदेशी शराब व बीयर बरामद की है। टैंकर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। टैंकर जब्त कर छाता चौक स्थित उत्पाद थाने लाया गया है।

उत्पाद विभाग के अनुसार, टैंकर को मुजफ्फरपुर में ही अनलोड किया जाना था। सहायक उत्पाद आयुक्त विजय शेखर दुबे ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि तेल के टैंकर में शराब की खेप छिपाकर लायी जा रही है। एक टीम गठित कर रामदयालु में नाकेबंदी कर दी।इस बीच टैंकर तेजी से रामदयालु से हाजीपुर रोड पर निकल गया। उत्पाद टीम ने उसका पीछा करना शुरू किया तो सकरी सरैया में चालक व तस्कर टैंकर को एनएच पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। तेल टैंकर से 200 पेटी शराब जब्त किया है। कारोबारी की पहचान की जा रही है।

पूर्णिया में बड़ा रेल हादसा टला

ट्रेन के चक्के में उलझ गया सरिया यात्रियों की जान बची

पूर्णिया जिले के रानीपतरा रेलवे स्टेशन के समीप एक बड़ा रेल हादसा टल गया।मंगलवार देर रात्रि को कटिहार से जोगबनी जा रही डीएमयू ट्रेन के चक्के में सरिया (रड) उलझ गया, लेकिन पायलट की सूझबूझ से ट्रेन रोक दी गई। इस घटना में कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई और सभी यात्री सुरक्षित हैं।

बताया जाता है कटिहार से जोगबनी जाने वाली डीएमयू ट्रेन (07561) के चक्के में सरिया (रड) उलझ गया था। आपातकाल ब्रेक का प्रयोग कर ट्रेन को खड़ा कर दिया गया। पायलट की सूझ बूझ से बड़ी घटना होने से बच गया।

स्थानीय रानीपतरा स्टेशन के एडमिनिस्ट्रेशन और जीआरपी बल सहित अन्य रेलवे के अधिकारी आने के बाद रॉड (सरिया) को निकाला गया। हालांकि कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई। सभी यात्री सुरक्षित हैं। सीसीटीवी कैमरे में पूरी हरकत कैद हो गई है। पूरा रानीपतरा रैंकपॉइंट पर कैमरा लगा हुआ है।

चक्के में सरिया (रड) उलझ गया

रेलवे विभाग के अधिकारी ने बताया कि कटिहार से जोगबनी जा रही डीएमयू ट्रेन (07561) के चक्के में सरिया (रड) उलझ गया, लेकिन पायलट की सूझबूझ से ट्रेन रोक दी गई। इस घटना में कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई और सभी यात्री सुरक्षित हैं। रेलवे ट्रैक पर सरिया (रड) देने की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई कर आरोपियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पायलट ने बहुत ही शांति से ट्रेन रोक दी

यात्रियों ने कहा हमें लगा कि ट्रेन खराब हो गई है, लेकिन पायलट ने बहुत ही शांति से ट्रेन रोक दी। पायलट की बहादुरी की जितनी तारीफ की जाए, कम है। पायलट की सूझबूझ की प्रशंसा की और कहा कि उनकी तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। रेल यात्रियों को सुरक्षित यात्रा के लिए आश्वस्त किया गया है।

नीतीश कुमार पे भड़के तेजस्वी यादव

कहा- नीतीश कुमार कमजोर और बीमार मुख्यमंत्री है, सीएम नीतीश कुमार की वजह से बिहार में अफसरशाही चल रही है

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को डीजीपी आलोक राज और प्रिंसिपल सचिव अरविंद कुमार के सामने मंच पर जोड़ते नजर आए। नीतीश कुमार के हाथ जोड़कर अधिकारियो से आग्रह करने पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पर जमकर निशाना साधा है। एक्स हैंडल पर तेजस्वी ने लिखा, जनहित के कार्य करवाने के लिए अपने मातहत अधिकारियों के सामने बारंबार हाथ जोड़ गिड़गिड़ाना, उनके पैर पड़ना, क्या एक असहाय, असमर्थ, अशक्त, अस्वस्थ, बेबस, लाचार एवं कमजोर मुख्यमंत्री की निशानी नहीं है?

मुख्यमंत्री का गिड़गिड़ाने लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं

तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ऐसे आचरण के कारण बिहार से गवर्नेंस खत्म हो चुकी है। एक मुख्यमंत्री का गिड़गिड़ाने वाला ऐसा आचरण लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। जब नैतिकता समाप्त हो चुकी हो, विश्वसनीयता शून्य हो और समाज में स्वीकार्यता न्यूनतम स्तर पर हो तब अधिकारियों के सामने ऐसा करना क्या नीतीश कुमार जी की मजबूरी है?।

बता दें कि बिहार पुलिस के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाथ जोड़कर डीजीपी आलोक राज से पुलिस कर्मियों की भर्ती में तेजी लाने का अनुरोध किया। सीएम नीतीश ने हाथ जोड़कर कहा कि बताओ क्या आप यह काम जल्दी कराओगे?। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि बिहार पुलिस मुख्यमंत्री के निर्देशों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम त्वरित भर्ती और मजबूत प्रशिक्षण सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री ने जवाब में डीजीपी को धन्यवाद कहा। नीतीश कुमार का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

विपक्ष के निशाने पर हैं नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी बिहार की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर विपक्ष के आरोपों की पृष्ठभूमि में आयी है। बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बीजेपी-जेडीयू गठबंधन सरकार को अपराध को लेकर विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

सीएम पर लगातार हमलावर हैं तेजस्वी

दरअसल, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने पिछले सप्ताह कहा था कि ऐसा कोई जिला नहीं जहां हत्या, लूट, अपहरण, बलात्कार नहीं हो रहा हो। लेकिन कार्रवाई नहीं होती। अगर एफआईआर दर्ज होती है तो जांच नहीं होती। लोगों को न्याय नहीं मिलता। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार नहीं चला सकते।

बिहार में सीनियर IAS अधिकारियों का तबादला

चैतन्य प्रसाद को बनाया गया मुख्य जांच आयुक्त

बिहार से एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है। राज्य में 7 सीनियर आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। बिहार के विकास आयुक्त चैतन्य प्रसाद को अब सामान्य प्रशासन विभाग में मुख्य जांच आयुक्त बनाया गया है। दूसरी ओर स्वास्थ्य, पथ निर्माण और आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव का एक साथ जिम्मा संभाल रहे प्रत्यय अमृत को नया विकास आयुक्त बनाया गया है। इसके साथ ही प्रत्यय अमृत स्वास्थ्य विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव का भी काम देखते रहेंगे। उनसे सिर्फ पथ निर्माण विभाग का कार्यभार वापस लिया गया है।

बिहार सरकार ने मिहिर कुमार सिंह को पथ निर्माण विभाग का नया अपर मुख्य सचिव बनाया है। मिहिर कुमार सिंह अब तक पंचायती राज विभाग के साथ-साथ खान एवं भूतत्व विभाग के अपर मुख्य सचिव का काम देख रहे थे। उनके जिम्मे सामान्य प्रशासन विभाग के मुख्य जांच आयुक्त का भी काम था। वे इन सब पदों से मुक्त होकर सिर्फ पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव का काम अब देखेंगे।

सितंबर माह में भी हुआ था बड़े पैमाने पर तबादला

इससे पहले भी बिहार में बड़े पैमाने पर ब्रूस अधिकारियों का तबादला किया गया था। सितंबर माह में एक दर्जन से अधिक जिलों के डीएम भी बदल दिए गए थे। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अधिसूचना जारी की गई थी। कुल 43 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया था। बिहार के जमुई, लखीसराय, रोहतास, भोजपुर, शिवहर, अररिया, समस्तीपुर, मधेपुरा, अरवल, किशनगंज, बेगूसराय और शेखपुरा समेत कुल 12 जिलों के डीएम का ट्रांसफर किया गया था। वहीं, हाल में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने भी पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया। यूपी के 5 पुलिस उपाधीक्षकों (ष्ठस्क्) का ट्रांसफर किया गया था। यूपी के डीजीपी मुख्यालय की ओर से एक सूची जारी की गई थी। इसके पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने 17 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया था।

बिहार में शिक्षकों के बीच ताला खोलने को लेकर हुआ विवाद

आपस में भिड़ गए दोनों शिक्षक, गाली-गलौज के बाद शुरू कर दी मारपीट

पटना. बिहार में बीच सड़क पर दो शिक्षकों के बीच मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में दिख रहा है कि दो लोग (दोनों शिक्षक) एक-दूसरे को पीट रहे हैं. वायरल हो रहा वीडियो नालंदा के हिलसा का बताया जा रहा है. ये दोनों शिक्षक रामबाबू हाई स्कूल के हैं. घटना बीते मंगलवार (22 अक्टूबर) की है. मारपीट के पीछे की जो वजह सामने आई है वह चौंकाने वाली है. मंगलवार की सुबह साढ़े आठ बजे स्कूल के कुछ शिक्षक और बच्चे पहुंच गए थे. उस समय विद्यालय का गेट नहीं खुला था. सभी गेट खुलने का इंतजार कर रहे थे. इसी दौरान रामबाबू हाई स्कूल में कार्यरत सामाजिक विज्ञान के शिक्षक रविंद्र प्रसाद पहुंच गए. फिर विज्ञान के शिक्षक अवधेश प्रसाद भी पहुंचे. दोनों के बीच ताला खोलने को लेकर विवाद हो गया और मारपीट हुई. बताया जाता है कि स्कूल के प्राचार्य छुट्टी पर हैं. शिक्षक अवधेश प्रसाद ही प्रभार में हैं.

देखते ही देखते दोनों शिक्षक आपस में भिड़ गए. गाली-गलौज के साथ पटका-पटकी कर दी. लात-घूसे और चप्पल-जूते से एक-दूसरे को मारने-पीटने लगे. मौके पर मौजूद स्कूल के अन्य शिक्षक आगे आए और बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया. मारपीट के दौरान मौके पर मौजूद लोगों में से कोई बीच-बचाव कर रहा था तो वहीं कुछ लोगों ने वीडियो बना लिया जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

सवाल उठता है कि शिक्षा का मंदिर जब जंग का अखाड़ा बन जाए और उसके %खलनायक% शिक्षक हों तो वहां के बच्चों का भविष्य क्या होगा? इस मामले में स्कूल के प्राचार्य संजीव कुमार से बात की गई. उन्होंने बताया, हम अवकाश पर हैं. शिक्षकों के बीच झगड़ा होने का मामला संज्ञान में आया है, लेकिन कारण पता नहीं चल सका है. वहीं प्रखंड पदाधिकारी नितेश कुमार रंजन ने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में नहीं है. पता कर जांच-पड़ताल की जाएगा.